# चार महिला जूडो खिलाड़ियों ने कामनवेल्थ गेम्स में बनाई जगह, मजबूत प्रशिक्षण व्यवस्था का दिखा असर

नई दिल्ली

भारतीय जूडो को लंबे समय से जिस मजबूत खिलाड़ी विकास प्रणाली की जरूरत थी, उसका असर अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिखाई देने लगा है। बेहतर प्रशिक्षण, वैज्ञानिक तैयारी और निरंतर सहयोग के दम पर चार भारतीय महिला जूडो खिलाड़ियों ने ग्लास्गो कामनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम में स्थान हासिल किया है।

कामनवेल्थ गेम्स के लिए चुनी गई खिलाड़ियों में मध्य प्रदेश की यामिनी मौर्या, उत्तराखंड की उन्नति शर्मा, पंजाब की इशरूप नारंग और मणिपुर की तखेलंबम इनुंगनबी शामिल हैं। चारों खिलाड़ियों ने पिछले कुछ वर्षों में लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह पक्की की है।

इन खिलाड़ियों को एक्सिस बैंक और इंस्पायर इंस्टीट्यूट आफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) के संयुक्त खिलाड़ी विकास कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण और अन्य सुविधाएं मिलती रही हैं। इस पहल के माध्यम से अब तक 500 से अधिक खिलाड़ियों को सहायता दी जा चुकी है, जिनमें 471 जूनियर और 53 एलीट महिला जूडो खिलाड़ी शामिल हैं।

इस कार्यक्रम से जुड़े खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 140 से अधिक पदक जीते हैं। इसके अलावा खिलाड़ियों को जापान, जार्जिया और उज्बेकिस्तान जैसे देशों में आयोजित 11 अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों में हिस्सा लेने का अवसर मिला, जिससे उन्हें विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा का अनुभव प्राप्त हुआ।

एक्सिस बैंक के ग्रुप हेड विजय मुलबगल ने कहा कि खिलाड़ियों को सही माहौल और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराने से उनके प्रदर्शन में लगातार सुधार देखने को मिल रहा है और कामनवेल्थ गेम्स के लिए चार खिलाड़ियों का चयन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

वहीं, आईआईएस की अध्यक्ष मनीषा मल्होत्रा ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य खिलाड़ियों को केवल प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल होने के लिए हर जरूरी संसाधन उपलब्ध कराना है। भारतीय जूडो में हाल के वर्षों में उभरती नई प्रतिभाओं, विशेषकर पूर्वोत्तर और अन्य राज्यों के खिलाड़ियों की बढ़ती मौजूदगी यह संकेत देती है कि देश में खेल का आधार लगातार मजबूत हो रहा है। अब नजर इस बात पर होगी कि ये खिलाड़ी कामनवेल्थ गेम्स में अपने प्रदर्शन से भारत के पदक अभियान को कितना आगे ले जा पाती हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### चाइना ओपन 2026: अंतिम-16 में हारकर बाहर हुईं पी.वी. सिंधु

चांगझोउ। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधु का चाइना ओपन 2026 में सफर अंतिम-16 दौर में ही समाप्त हो गया। गुरुवार को खेले गए मुकाबले में मेजबान चीन की चौथी वरीयता प्राप्त चेन यू फेई ने शानदार वापसी करते हुए सिंधु को 16-21, 22-20, 21-18 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सिंधु ने मुकाबले की शानदार शुरुआत करते हुए पहला गेम अपने नाम किया। हालांकि दूसरे गेम में उनके पास मैच खत्म करने के चार मौके थे, लेकिन वह उनका फायदा नहीं उठा सकीं और चेन ने लगातार पांच अंक जीतकर मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। पहले गेम में चेन ने 12-6 की बढ़त बना ली थी, लेकिन सिंधु ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 16-16 से बराबर किया और इसके बाद लगातार अंक जुटाकर 21-16 से गेम जीत लिया। दूसरे गेम में सिंधु पूरी तरह नियंत्रण में नजर आईं और 20-17 की बढ़त के साथ उनके पास चार मैच प्वाइंट थे। लेकिन इसी मोड़ पर चेन ने जबरदस्त वापसी करते हुए लगातार पांच अंक हासिल किए और 22-20 से गेम जीतकर मुकाबले को तीसरे गेम में पहुंचा दिया।

### भारत की अनाहत विश्व जूनियर स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

ओंटारियो। भारत की युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह कनाडा में जारी विश्व जूनियर स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। अनाहत ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की डायस ये सैन ली को सीधे गेम में आसानी से हरा दिया। इसी के साथ ही अनाहत लगातार दूसरे साल इस अहम टूर्नामेंट में पदक की दौड़ में बनी हुई है। अनाहत ने मुकाबले में 11-4, 11-8 और 11-3 से जीत हासिल की। इस खिलाड़ी ने पिछले साल इसी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था। अब अंतिम आठ के मुकाबले में अनाहत का सामना मिस्र की हबीबा रिजक से होगा। वहीं हबीबा ने ने एक अन्य प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अमेरिका की शार्लेट जे को हराया था। वहीं महिला वर्ग के अन्य मुकाबलों की बात करें तो बेल्जियम की सवाना मोक्सहैम ने शानदार वापसी करते हुए हांगकांग की एना क्वांग को 3-1 से जबकि । मिस्र की मलिका एलकाराक्सी ने अमेरिका की दिया यादव को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।, हांगकांग की हेलेन टैंग ने मलेशिया की हार्लीन टैन को हराया। दूसरी ओर पुरुष वर्ग में भी शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों ने अपनी जीत क सिलसिला जारी रखा। शीर्ष वरीयता प्राप्त मोहम्मद जकारिया ने पाकिस्तान के नौमान खान को आसानी से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। एक अन्य मुकाबले में फ्रांस के अमीर खालिद-जौसेलिन ने इंग्लैंड के रानी हिकलिंग को सीधे गेम में हराया। पुरुष वर्ग में हालांकि भारत के आर्यवीर दीवान को अमेरिका के यासीन शलाबी ने आसानी से 11-4, 11-1 और 11-5 हरा दिया।

### कुलदीप अब काउंटी क्रिकेट टीम योर्कशायर से खेलेंगे

नई दिल्ली। भारतीय टीम से बाहर चल रहे स्पिनर कुलदीप यादव अब इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में योर्कशायर टीम की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। कुलदीप के इंग्लैंड दौरे के एक भी मैच में जगह नहीं मिली थी। वहीं इसके बाद जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी शामिल नहीं किया गया था। इसी कारण उन्होंने काउंटी की ओर रुख किया है जिससे वहां अच्छा प्रदर्शन कर टीम में वापसी की दावेदारी करें। क्लब के साथ किये करार के तहत वह मौजूदा सत्र में आठ गेम ही खेलेंगे। इस करार के तहत ही कुलदीप अब योर्कशायर से जुड़ने वाले पांचवें भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। वहीं योर्कशायर के अनुसार कुलदीप पांच मेट्रो बैंक वन डे कप मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसके बाद वे सितंबर में होने वाले चार रोथेसे काउंटी चैम्पियनशिप फिक्स्चर में से तीन के लिए हेडिंग्ले लौटेंगे। वह शुक्रवार को ग्लैमर्गिन के खिलाफ नेथ में होने वाले 50 ओवर के मैच के लिए सीधे टीम में शामिल होंगे। वहीं योर्कशायर में शामिल होने से उत्साहित कुलदीप ने कहा, मैं योर्कशायर जैसे क्लब की ओर से खेलने का अवसर मिलने से उत्साहित हूं। उन्होंने आगे कहा, मैंने हमेशा यहां के हालातों में खेलने का आनंद लिया है, और प्रबंधन से बात करने के बाद, मैं टीम में शामिल होने को लेकर उत्साहित हूं।

# ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेलों की 10 स्पर्धाओं में उतरेंगे 3000 खिलाड़ी, भारतीय दल की कमान संभालेंगे नीरज

ग्लास्गो

स्काटलैंड के ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल का अब तक का सबसे छोटा संस्करण शुरू होने जा रहा है। ये पिछले तीन दशकों में ऐसा पहली बार हो रहा है जब इतने कम खेलों को रखा गया है। इसका कारण बजट की कमी है। इस बार केवल 10 खेल स्पर्धाएं रखी गयी हैं जिसमें 74 देशों के करीब 3000 खिलाड़ी उतर रहे हैं।

ग्लास्गो ओवो हाइड्रो स्टेडियम में गुरुवार को उद्घाटन समारोह के साथ इन खेलों की औपचारिक शुरुआत होगी। ग्लास्गो दूसरी बार इन खेलों की मेजबानी संभाली है। इससे पहले साल 2014 में भी यहां खेल हुए थे। इस आयोजन का बजट करीब 160 मिलियन पाउंड है, जो बर्मिंघम 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों से 60 फीसदी कम है। इस बार कम खेल स्पर्धाएं रखे जाने का विपरीत प्रभाव भारत पर पड़ेगा है। भारत मैनचेस्टर 2002 से हर राष्ट्रमंडल खेलों में शीर्ष पांच में रहा है पर इस बार हाकी, कुश्ती, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और निशानेबाजी जैसे महत्वपूर्ण खेलों को शामिल नहीं किया गया है। जिससे भारत को नुकसान होगा क्योंकि पिछली इन खेलों में ही उसे अधिक पदक मिले थे। अब भारत की उम्मीदें एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और भारोत्तोलन जैसे प्रमुख खेलों पर पर रहेंगी। एथलेटिक्स में भारत ने 32 सदस्यीय मजबूत दल उतारा है, ये 22 पदक स्पर्धाओं में भाग लेगा। इस दल की कमान दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा करेंगे। वहीं ऊंची कूद में सर्वेश कुशारे, लंबी कूद में मुरली श्रीशंकर, त्रिकूद में प्रवीण चित्रावेल और महिला तथा पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले टीमों से भी भारत को पदक की उम्मीदें रहेंगी। पिछले बर्मिंघम खेलों में एथलेटिक्स से भारत ने आठ पदक जीते थे। वहीं भारोत्तोलन में ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू पर सबकी नजरें रहेंगी। मीराबाई ने पिछले दो राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं और इस बार भी उनसे पदक की प्रबल उम्मीद है। वहीं मुक्केबाजी में, टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किलो वर्ग) राष्ट्रमंडल खेलों में अपना पहला पदक जीतने का प्रयास करेंगीगी। 57 किलो वर्ग में विश्व चैंपियन जैसमीन लंबोरिया स्वर्ण के लिए उतरेंगी। एशियाई चैंपियन प्रीति पवार (54 किलो), साक्षी चौधरी (51 किलो) और अरुंधती चौधरी (70 किलो) भी मजबूत दावेदार हैं। दूसरी ओर पुरुष वर्ग में, नरेंदर बेरवाल (90 किलो) और विश्व कप पदक विजेता सचिन सिवाच (60 किलो) से भी पदक की उम्मीदें हैं। इन प्रमुख खेलों के अलावा, भारत को लान बाल और जूडो से भी उम्मीदें हैं। लान बाल में भारत ने बर्मिंघम में महिला वर्ग में स्वर्ण और पुरुष वर्ग में रजत पदक जीते थे, जिसे वे इस बार दोहराना चाहेंगे। जूडो में भी पिछले खेलों के तीन पदकों से बेहतर प्रदर्शन का लक्ष्य है। इस बार छह खेलों में पैरा स्पर्धाएं भी साथ में हो रही हैं, जिससे पैरा एथलीटों से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

# फीफा विश्व कप-2026 की ड्रीम इलेवन घोषित, मेसी, एम्बाप्पे और हालैंड को मिली जगह

ज्यूरिख

फीफा विश्व कप 2026 की प्रशंसकों द्वारा चुनी गई ड्रीम इलेवन की घोषणा कर दी गई है। इस टीम में अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी, फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे, नार्वे के एरलिंग हालैंड और इंग्लैंड के जूद बेलिंघम जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को जगह मिली है। विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन से सबको प्रभावित करने वाले केप वर्डे के गोलकीपर वोजिन्हा को भी ड्रीम इलेवन में शामिल किया गया है। 40 वर्षीय वोजिन्हा को गोलकीपर के लिए हुए प्रशंसकों के मतदान में 39.6 प्रतिशत वोट मिले। उन्होंने विश्व कप में पदार्पण करने वाले केप वर्डे के लिए शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, टूर्नामेंट का गोल्डन ग्लव पुरस्कार स्पेन के उनाई सिमोन को मिला था, जिसका चयन फीफा के तकनीकी समूह ने किया था। विश्व कप से पहले पुर्तगाल के दूसरे डिवीजन क्लब चावेस छोड़ने के बाद वोजिन्हा किसी क्लब से नहीं जुड़े थे। इसके बावजूद उन्होंने विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्पेन के खिलाफ गोलरहित ड्रा में सात शानदार बचाव किए। इसके अलावा उन्होंने अंतिम-32 मुकाबले में अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय तक खेलने के लिए मजबूर करने में भी अहम भूमिका निभाई।

नार्वे के स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड को फारवर्ड खिलाड़ियों के मतदान में 27.5 प्रतिशत वोट मिले। हालैंड ने पांच मैचों में सात गोल दागे और अपनी टीम को पहली बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने प्री-क्वार्टर फाइनल में पांच बार की चैंपियन ब्राजील के खिलाफ 2-1 की जीत में दो गोल किए थे। नार्वे का सफर इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ समाप्त हुआ। ड्रीम इलेवन में हालैंड और वोजिन्हा के अलावा लियोनेल मेसी, किलियन एम्बाप्पे, जूद बेलिंघम, रोद्री, माइकल ओलिसे, पेड्रो पोरो, लिसांड्रो मार्टिनेज, दायो उपामेकानो और मार्क कुकुरेला को भी स्थान मिला है। फीफा विश्व कप 2026 ड्रीम इलेवन

**गोलकीपर:** वोजिन्हा (केप वर्डे)

**डिफेंडर:** पेड्रो पोरो (स्पेन), लिसांड्रो मार्टिनेज (अर्जेंटीना), दायो उपामेकानो (फ्रांस), मार्क कुकुरेला (स्पेन)

**मिडफील्डर:** रोद्री (स्पेन), माइकल ओलिसे (फ्रांस), जूद बेलिंघम (इंग्लैंड)

**फारवर्ड:** लियोनेल मेसी (अर्जेंटीना), एरलिंग हालैंड (नार्वे), किलियन एम्बाप्पे (फ्रांस)।

## साइकिल रेस

वाईरान में टूर डी फ्रांस साइकिल रेस में बेल्जियम के जैस्पर फिलीपैशन सबसे पहले फिनिश लाइन पार कर उत्साहित होते हुए।

# आस्ट्रेलिया दौरे से पहले बांग्लादेश को झटका, तेज गेंदबाज इबादत हुसैन बाहर

नई दिल्ली

बांग्लादेश के तेज गेंदबाज इबादत हुसैन आस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, इबादत अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण बांग्लादेश में ही रहेंगे और टीम के साथ आस्ट्रेलिया का दौरा नहीं करेंगे।

बांग्लादेश की टीम 13 अगस्त से डार्विन में शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में आस्ट्रेलिया का सामना करेगी। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र का हिस्सा है। फिलहाल बांग्लादेश डब्ल्यूटीसी अंकतालिका में चौथे स्थान पर है और इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगा।

हालांकि इबादत की गैरमौजूदगी के बीच टीम को एक राहत भी मिली है। तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने आस्ट्रेलिया दौरे की बेहतर तैयारी के लिए श्रीलंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) से अपना नाम वापस ले लिया है।

तस्कीन ने कहा, मेरा मुख्य लक्ष्य आस्ट्रेलिया दौरे की तैयारी करना है। हमने जिम्बाब्वे में लगातार छह मैच खेले हैं। अगर मैं एलपीएल भी खेलता और फिर सीधे आस्ट्रेलिया जाता तो टेस्ट मैच की तैयारी प्रभावित होती। इसलिए थोड़ा नुकसान उठाकर भी मैंने एलपीएल से हटने का फैसला किया। आस्ट्रेलिया जैसी टेस्ट सीरीज बार-बार नहीं आती। नाहिद राणा और लिटन दास की फिटनेस पर नजर बांग्लादेश के लिए एक और चिंता तेज गेंदबाज नाहिद राणा की फिटनेस है। उनके शरीर के साइड हिस्से में लगी चोट की स्कैन रिपोर्ट का टीम प्रबंधन को इंतजार है। वहीं अनुभवी बल्लेबाज लिटन दास भी पिंडली (काफ) की चोट से उबर रहे हैं और टीम को उम्मीद है कि वह आस्ट्रेलिया के खिलाफ उपलब्ध रहेंगे। बांग्लादेश की टीम अगले महीने की शुरुआत में आस्ट्रेलिया पहुंचेगी, जहां 3 अगस्त से डार्विन में क्रिकेट आस्ट्रेलिया एकादश के खिलाफ तीन दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। बल्लेबाजों पर जताया भरोसा बांग्लादेश के बल्लेबाजी कोच मोहम्मद अशरफुल ने हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट में मिली बड़ी हार के बावजूद अपने बल्लेबाजों पर भरोसा जताया है। अशरफुल ने कहा, आस्ट्रेलिया में चुनौती कठिन होगी, लेकिन सकारात्मक बात यह है कि हम 10-12 दिन पहले वहां पहुंचेंगे और अभ्यास मैच खेलने का मौका मिलेगा। यदि सभी खिलाड़ी फिट रहे तो हम अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा, पिछले सात महीनों में हमारे बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया है। एक सीरीज या एक टेस्ट खराब होने का मतलब यह नहीं कि हम निराश हो जाएं। अलग-अलग परिस्थितियों में खेलने से खिलाड़ियों को अनुभव मिला है और हमें विश्वास है कि वे आस्ट्रेलिया में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

# चौथी हाकी इंडिया जूनियर महिला अकादमी चैंपियनशिप 24 जुलाई से, ग्वालियर करेगा मेजबानी

नई दिल्ली

**भारतीय महिला हाकी की उभरती प्रतिभाओं को मंच देने वाला चौथा हाकी इंडिया जूनियर महिला अकादमी चैंपियनशिप 2026 (जोन ए एवं बी) शुक्रवार, 24 जुलाई से मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शुरू होगा। 11 दिनों तक चलने वाला यह टूर्नामेंट 3 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश की 12 प्रमुख जूनियर महिला हाकी अकादमियां खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।**

टूर्नामेंट में भाग लेने वाली 12 टीमों को दो पूल में बांटा गया है। प्रत्येक पूल में छह-छह टीमें हैं और लीग चरण में सभी टीमें अपने-अपने पूल की अन्य टीमों से मुकाबला करेंगी। दोनों पूल से शीर्ष दो टीमें 2 अगस्त को होने वाले सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी, जबकि 3 अगस्त को तीसरे स्थान का मुकाबला और फाइनल खेला जाएगा।

पूल-ए में राजा करण हाकी अकादमी, खालसा हाकी अकादमी (अमृतसर), स्पोर्ट्स अथारिटी आफ गुजरात-हाकी अकादमी, हाकी फैमिली बढ़खालसा एनसीआर हाकी सोसायटी, तमिलनाडु हाकी अकादमी और प्रीतम सिवाच हाकी अकादमी, सोनीपत शामिल हैं।

वहीं पूल-बी में रितु रानी हाकी अकादमी, वडीपट्टी राजा हाकी अकादमी, भाई बेहलो हाकी अकादमी भगता, मुंबई स्कूल्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन, अड्यार हाकी अकादमी और मध्य प्रदेश हाकी अकादमी की टीमें खेलेंगी। टूर्नामेंट में लीग चरण के दौरान जीत पर तीन अंक, ड्रा पर एक अंक और हार पर कोई अंक नहीं मिलेगा। नाकआउट मुकाबलों में बराबरी की स्थिति होने पर विजेता का फैसला अंतरराष्ट्रीय हाकी महासंघ (एफआईएच) के नियमों के अनुसार शूटआउट से किया जाएगा। हाकी इंडिया के अध्यक्ष डा. दिलीप टिर्की ने कहा कि जूनियर महिला अकादमी चैंपियनशिप भारत में महिला हाकी के जमीनी ढांचे को मजबूत करने का महत्वपूर्ण मंच बन चुकी है। इससे युवा खिलाड़ियों को देश की बेहतरीन अकादमियों के खिलाफ खेलने का अवसर मिलता है और भविष्य की राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों की पहचान करने में मदद मिलती है। हाकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि अकादमियां युवा खिलाड़ियों को तैयार करने में अहम भूमिका निभाती हैं। ऐसे टूर्नामेंट खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी माहौल और राष्ट्रीय स्तर का अनुभव प्रदान करते हैं।

### पहले दिन का कार्यक्रम

- सुबह 7:30 बजे: राजा करण हाकी अकादमी बनाम खालसा हाकी अकादमी (अमृतसर)
- सुबह 9:00 बजे: स्पोर्ट्स अथारिटी आफ गुजरात-हाकी अकादमी बनाम प्रीतम सिवाच हाकी अकादमी, सोनीपत
- सुबह 10:30 बजे: हाकी फैमिली बढ़खालसा एनसीआर हाकी सोसायटी बनाम तमिलनाडु हाकी अकादमी
- दोपहर 1:30 बजे: रितु रानी हाकी अकादमी बनाम वडीपट्टी राजा हाकी अकादमी
- दोपहर 3:00 बजे: मुंबई स्कूल्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन बनाम अड्यार हाकी अकादमी
- शाम 4:30 बजे: भाई बेहलो हाकी अकादमी भगता बनाम मध्य प्रदेश हाकी अकादमी।